Dainik Bhaskar (Indore) 29th March 2024, Page - 01

# डीएवीवी चिप डिजाइन के लिए रिसर्च सेंटर खोलेगी, छात्रों को ताइवान में मिलेगी जॉब

## ▪ पांच यूनिवर्सिटी के साथ हुआ एमओयू ▪ आईआईटी इंदौर सिखाएगा ताइवान की प्रमुख भाषाएं

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में जल्द सेमी कंडक्टर चिप डिजाइन के लिए एक आधुनिक माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक रिसर्च सेंटर शुरू होगा। यहां से ट्रेनिंग लेकर स्टूडेंट्स ताइवन की कंपनियों में सीधे जॉब कर सकेंगे। इसके लिए यूनिवर्सिटी ने वहां की पांच कंपनियों के साथ एमओयू किए हैं। इसके लिए ताइवान की यूनिवर्सिटी के साथ विशेष पोर्टल भी बनाया जा रहा है, जिससे माध्यम से स्टूडेंट्स को नौकरी के अवसर मिलेंगे और वहां की कंपनियां उन्हें सीधे चयनित कर सकेंगी।

छात्रों को ताइवान की प्रमुख भाषाएं आईआईटी इंदौर सिखाएगा। ताइवान से लौटीं कुलपति प्रो. रेणु जैन ने बताया कि पहली बार किसी देश की इतनी यूनिवर्सिटी के साथ हम रिसर्च व एक्सचेंज प्रोग्राम कर रहे हैं। कुलपति के साथ डीसीडीसी डॉ. राजीव दीक्षित, आईईटी डायरेक्टर प्रो. संजीव टोकेकर, कौशल विकास केंद्र प्रभारी डॉ. माया इंगले और आईईटी के फैकल्टी डॉ. वैभव नीमा ताइवान गए थे।

### जॉब ट्रेनिंग पर भी ताइवान जाएंगे स्टूडेंट्स, वहां की फैकल्टी यहां आएंगी

डॉ. टोकेकर ने बताया कि आईईटी में माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक रिसर्च सेंटर शुरू होगा। एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्र और फैकल्टी एक-दूसरे के यहां जा सकेंगे। छात्रों को विशेष प्रोग्राम के तहत वहां एक माह की जॉब ट्रेनिंग पर भी भेजा जाएगा। डॉ. दीक्षित ने बताया कि हम विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार और राजभवन को सौंपेंगे। ताकि भविष्य में शासन के सहयोग से बड़े प्रोजेक्ट पर काम किया जा सके। चिप डिजाइन एक्सपर्ट डॉ. नीमा का कहना है कि हम इन सभी एमओयू पर आगे तकनीकी पहलुओं पर भी काम करेंगे। ताकि यहां के छात्रों को वहां भी और यहां भी सेमी कंडक्टर चिप डिजाइन से जुड़े प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिल सके।

### वहां भारतीय छात्र बड़ी संख्या में

डॉ. इंगले ने बताया कि डीएवीवी के 31 टीचिंग विभागों और इंस्टिट्यूट के 12 हजार से ज्यादा छात्रों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया, ताइवान में भारतीय छात्र बड़ी संख्या में हैं। कई तो वहां पीएचडी और नौकरी भी कर रहे हैं। इंदौर के भी कुछ छात्र हमसे मिले, उनका भी सहयोग लेंगे।

### कमेटी बनेगी, हर माह बैठक होगी

कुलसचिव डॉ. अजय वर्मा ने बताया कि अब इन तमाम एमओयू और प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। इस कमेटी में ताइवान गए सभी एक्सपर्ट के साथ अन्य प्रोफेसर शामिल होंगे। इसकी हर माह बैठक होगी ताकि एमओयू पर गंभीरता से आगे बढ़ सकें।